चुनाव आयोग ने हरियाणा चुनाव में धांधली के कांग्रेस के आरोप खारिज किए

आयोग ने 1600 पृष्ठों में कांग्रेस के आरोपों का जवाब दिया

- आयोग ने कांग्रेस पार्टी को नसीहत दी और कहा कि बिना किसी कारण के चुनाव प्रक्रिया पर आरोप नहीं लगाने चाहिए।
- ज्ञातव्य है कि, हरियाणा चुनाव में कांग्रेस ने ई.वी.एम. में छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए कहा था कि कुछ ई.वी.एम. की बैटरी 99 प्रतिशत थी जबकि कुछ 60 से 70 प्रतिशत पर काम कर रही थी।

हरियाणा, 29 अक्टूबर। चुनाव आयोग ने मंगलवार को कांग्रेस के हरियाणा विधानसभा चुनाव में धांधली के आरोपों को खारिज कर दिया। आयोग ने 1600 पेज के जवाब में आरोपों को निराधार, गलत और तथ्यहीन बताया।

आयोग ने कहा, मतदान और मतगणना जैसे संवेदनशील समय के दौरान गैरजिम्मेदाराना आरोप लगाने से अशांति और अराजकता पैदा हो सकती है। आयोग ने पिछले एक साल में 5 मामलों का हवाला देते हुए, कांग्रेस पार्टी को नसीहत दी और कहा कि वह आरोप लगाने में सावधानी बरते और बिना किसी सबूत के इलेक्टोरल ऑपरेशन पर आदतन हमला करने से बचे।

राज्य में एक फेज में, यानी 5 अक्टूबर को मतदान हुआ था और 8 अक्टूबर को रिजल्ट आए थे। मतगणना के दौरान कांग्रेस ने चुनाव आयोग में शिकायत की थी कि कुछ ई.वी.एम. 99 प्रतिशत बैटरी क्षमता पर काम कर रही थीं, जबकि कुछ 60-70 और 80 प्रतिशत से कम बैटरी क्षमता पर काम कर रही थीं।

कांग्रेस ने हरियाणा चुनाव में ई.वी.एम. की गड़बड़ी का दावा करते हुए चुनाव आयोग से 13 अक्टूबर को शिकायत की थी। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा था कि 20 सीटों पर मतगणना के दौरान ई.वी.एम. में गड़बड़ी पाई गई।

इन सीटों के उम्मीदवारों ने लिखित और मौखिक शिकायतें दर्ज की थीं। कांग्रेस ने इनकी सूची चुनाव आयोग को भेजी है। खेड़ा ने कहा था कि यह अजीब है कि जिन मशीनों में 99 प्रतिशत बैटरी चार्ज रही, उन्हीं सीटों पर कांग्रेस उम्मीदवार हारे हैं। वहीं, 60-70 प्रतिशत बैटरी चार्ज वाली मशीन वे हैं जिन पर कांग्रेस उम्मीदवार जीते हैं। हमारी मांग है कि जांच पूरी होने तक उन मशीनों को सील और सुरक्षित रखा जाना चाहिए।

तेजस के इंजन की आपूर्ति में देरी, अमेरिकन कम्पनी जी.ई. को जुर्माना भरना होगा

नयी दिल्ली, 29 अक्टूबर। स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस के उन्नत संस्करण, तेजस मार्क-1 ए के लिए इंजन की आपूर्ति में दो वर्ष की देरी पर अमेरिकी कंपनी जी.ई. को अनुबंध की शर्तों के अनुसार जुर्माना देना होगा।

जी.ई. को भारतीय वायु सेना के लड़ाकू विमानों के लिए बेहद महत्वपूर्ण माने जाने वाले तेजस मार्क-1 ए के लिए इंजनों की आपूर्ति मार्च 2023 में करनी थी, लेकिन ये इंजन अब तक भी नहीं मिले हैं। जी.ई. ने अब इन इंजनों की आपूर्ति अगले वर्ष अप्रैल से करने की बात कही है।

इस समूचे मामले के जानकार उच्च पदस्थ सरकारी सूत्रों ने बताया है कि समय पर इंजन की आपूर्ति नहीं होने पर अनुबंध की शर्तों के अनुरूप जी.ई. को जुर्माना देना होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने अलग-अलग समय पर अमेरिका यात्रा के दौरान अमेरिका के साथ इंजनों की आपूर्ति में देरी का मामला उठाया था। इसके बाद अमेरिकी कंपनी ने अगले वर्ष मार्च या अप्रैल से इंजनों की आपूर्ति शुरू करने को कहा है। सूत्रों ने कहा कि इंजन की आपूर्ति नहीं मिलने का कारण कोई दबाव की राजनीति या अन्य कारण नहीं है बल्कि यह पूरी तरह से तकनीकी कारणों से नहीं हो पा रही है।

महाराष्ट्र विकास अघाड़ी में आंतरिक कलह

सपा ने कहा हम गठबंधन में हैं पर दोस्ताना संघर्ष करेंगे

- महाविकास अघाड़ी के तीनों प्रमुख दलों के बीच 85-85 सीटों पर सहमति बनी है, पर सपा के प्रदेश अध्यक्ष अबु आज़मी ने कहा, सीटों के इस बंटवारे में हमारा ध्यान नहीं रखा गया है।
- सपा नेता ने 25 सीटों पर प्रत्याशी खड़े करने की घोषणा की
- सत्तारुढ़ महायुति में भी असंतोष उभर रहा है। एन.सी.पी. (अजीत पवार) के नेता नवाब मलिक ने भी स्वतंत्र उम्मीदवार के तौर पर नामांकन भर दिया है।

महाराष्ट्र, 29 अक्टूबर। महाराष्ट्र में 20 नवंबर को मतदान होना है और 23 नवंबर को चुनाव का परिणाम घोषित किया जाएगा। लेकिन महाविकास अघाड़ी में अब भी सीट बंटवारे को लेकर अंदरूनी कलह देखने को मिल रही है। इस बीच समाजवादी पार्टी महाराष्ट्र के अध्यक्ष अबू आजमी ने कहा, हम महाविकास अघाड़ी का हिस्सा हैं। हम उनके साथ बने रहेंगे लेकिन बहुत से लोग दोस्ताना लड़ाई में लगे हुए हैं और हम भी उसी का अनुसरण करेंगे।

अगर हमारे पास भिवंडी से दो विधायक होते हैं तो यह चमत्कार होगा। हम नासिक की तरह भिवंडी में भी सुधार करना चाहते हैं। हम भिवंडी का विकास करना चाहते हैं। इसलिए हम दोनों सीटें जीतना चाहते हैं। हम जनता से आग्रह करते हैं कि वे हमें चुनाव में जिताएं।

बता दें कि बीते दिनों महाविकास अघाड़ी में सीटों का बंटवारा हुआ था। इस दौरान शिवसेना यूबीटी, एन.सी.पी.एस.पी., कांग्रेस के बीच 85-85 सीटों पर सहमति बनी। हालांकि समाजवादी पार्टी के हिस्से एक भी सीट नहीं आई। इसके बाद सपा के प्रदेश अध्यक्ष अबू आजमी ने बयान देते हुए कहा था कि अगर महाविकास अघाड़ी में सीट बंटवारे को लेकर सपा को ध्यान में रखते हुए कुछ फैसला नहीं लिया गया तो समाजवादी पार्टी 25 सीटों पर अकेले दम पर चुनाव लड़ेंगी। इसके बाद से कई सीटों पर समाजवादी पार्टी द्वारा अबतक उम्मीदवार उतारे जा चुके हैं।

बता दें कि कुछ इसी तरह की स्थिति महायुति में भी देखने को मिल रही है। एक तरफ महाविकास अघाड़ी में महाविकास अघाड़ी के घटक दल के ही उम्मीदवार आमने-सामने आ चुके हैं। वहीं दूसरी तरफ महायुति में भी कुछ ऐसी स्थिति देखने को मिल रही है। महायुति में एन.सी.पी. नेता नवाब मलिक ने आज मानखुर्द शिवाजीनगर से अपना नामांकन भरा। इस दौरान उन्होंने कहा कि मैंने अपना नामांकन दाखिल कर दिया है। एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में और एनसीपी के उम्मीदवार के रूप में भी। मुझे पार्टी का एबी फॉर्म नहीं मिला है। अगर यह समय पर आथा है, तो मैं एनसीपी उम्मीदवार के रूप में या फिर एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ूंगा।

26 नवम्बर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा अन्य उच्च पदाधिकारी संयुक्त सत्र को संबोधित करेंगे। शीतकालीन सत्र के निर्धारित एजेंडा के अनुसार, इस सत्र में वक्फ (संशोधन) विधेयक पेश किया जायेगा तथा वक्फ बोर्ड के काम-काज में पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके।

ऑनर किलिंग में सास-ससुर सहित ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने संपत्ति से अपना हक त्याग भी कर दिया था। वहीं, वर्ष 2017 में अमित की हत्या करने के लिए शूटर विनोद और रामदेवाराम को कॉन्ट्रैक्ट दिया गया। इस दौरान युवती अपने पति से साथ केरल चली गई और 16 मई को वापस लौटकर आई। अगले दिन मौका देखकर अभियुक्तों ने हीरापुरा स्थित मकान में परिवार के साथ रह रहे सिविल इंजीनियर अमित नायर को चार गोलियां मारी। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों शूटर अजमेर रोड तक कार में आए और वहां से बस में बैठकर सूरत चले गए। दूसरे अभियुक्त कार से अपने बेटे के पास डीडवाना चले गए। कुछ दिन गोवा में बिताने के बाद शूटर नागौर के कुचामन सिटी पहुंच गए। जहां पुलिस ने विनोद को गिरफ्तार कर लिया, लेकिन रामदेवाराम मौका देखकर भाग गया। जिसे कुछ दिनों बाद जोधपुर की पीपाड़ सिटी से गिरफ्तार किया गया।

जिला जज और वकीलों में कहासुनी उग्र हुई

- पुलिस ने वकीलों पर लाठीचार्ज किया, वकीलों ने पुलिस चौकी जलाई।

गाजियाबाद, 29 अक्टूबर। गाजियाबाद में जिला जज की कोर्ट में मंगलवार को सुनवाई के दौरान बवाल हो गया। जज और वकीलों में बहस हो गई। इसके बाद वकील भड़क गए। कोर्ट रूम में कुर्सियां फेंकीं। पुलिस ने हंगामा कर रहे वकीलों को लाठीचार्ज कर खदेड़ा। इससे गुस्साए वकीलों ने कचहरी की पुलिस चौकी में तोड़फोड़ कर आग लगा दी।

दरअसल, वकील नाहर सिंह यादव ने जज से एक व्यक्ति की जमानत अर्जी दूसरे कोर्ट में ट्रांसफर करने की मांग की थी। इसी बात को लेकर उनकी जिला जज से कहासुनी हुई। विवाद इतना बढ़ गया कि जिला जज डाइस से उतर कर नीचे आ गए। जज और वकीलों के बीच तीखी बहस हो गई। इस बीच, जज ने फोन करके पुलिस और पीएसी बुला ली। वकीलों का आरोप है कि जिला जज कोर्ट रूम में उन्हें चारों तरफ से दरवाजे बंद करके पीटा गया। इसमें कई वकीलों को चोट भी आई है।

अभिषेक यादव ने बताया- मैं सुप्रीम कोर्ट में एडवोकेट हूं। एक केस में जिला कोर्ट में आया था। कुछ इश्यू था, वकीलों और जज साहब में। जज साहब ने गुस्से में आकर डायस पर खड़े होकर अपनी बात कही। चिल्लाना शुरू कर दिया। तभी वहां पुलिस भी आ गई।

डीसीपी राजेश कुमार ने वकीलों पर लाठीचार्ज करवा दिया। मेरे साथी को जमीन पर गिरा दिया। मैं बचाने गया तो चारों तरफ से मुझ पर लाठियां मारी गईं। मेरे सिर पर, कमर पर, पैर पर लाठी मारी। उन्होंने कहा कि मैं वकीलों का लाइसेंस जब्त करा दूंगा। जेल में बंद कर दूंगा।

फिलहाल, कोर्ट में तनाव का माहौल है। कई थानों की पुलिस और पीएसी को कचहरी में लगाया गया है। बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष समेत 50 वकीलों पर दो मुकदमे दर्ज हुए हैं।

पीएम ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आपातकालीन चिकित्सकीय सुविधाएं सुदृढ होंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 11 हजार 500 से अधिक स्वास्थ्य कल्याण केन्द्रों को आयुष्मान आरोग्य केन्द्रों में परिवर्तित किया गया है। साथ ही, बुजुर्गों को सम्मान के साथ उपचार उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार ने 49 जिला चिकित्सालयों में 'रामाश्रय' वार्ड शुरू किए हैं।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को धनतेरस की बधाई देते हुए कहा कि यह पर्व हमें सिखाता है कि स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन है। भौतिक समृद्धि के साथ उत्तम स्वास्थ्य होना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि धन्वंतरि जी ने समाज को आयुर्वेद के महत्व के बारे में बताया।

इस अवसर पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर, विधायक डॉ. शैलेश सिंह, बहादुर सिंह कोली, डॉ. सुभाष गर्ग, डॉ. ऋतु बनावत, प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एंव स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधिगण, वरिष्ठ अधिकारी एवं आमजन उपस्थित थे।

चीन सीमा में सैनिकों की वापसी अंतिम चरण में

- 18-गत 22 अक्टूबर को शुरू हुई प्रक्रिया इस माह के अंत तक पूरी हो जाएगी

नयी दिल्ली, 29 अक्टूबर। पूर्वी लद्दाख में करीब साढ़े चार वर्ष तक चले सैन्य गतिरोध के बाद भारत और चीन के सैनिकों की देप्सांग और डेमचोक से पीछे हटने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है।

सेना के सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि सैनिकों के पीछे हटने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है।

गौरतलब है कि दोनों देशों के सैनिकों के पीछे हटने की प्रक्रिया 22 अक्टूबर को शुरू हुई थी और उस समय कहा गया था कि इसके महीने के अंत तक पूरा हो जाने की संभावना है।

यह प्रक्रिया दोनों देशों के बीच नियंत्रण रेखा से लगते क्षेत्रों में सैनिकों के गश्त की व्यवस्था पर सहमति बनने के बाद शुरू हुई थी।

सूत्रों ने बताया कि इस प्रकिया के तहत सैनिकों को पीछे हटाने के साथ साथ अस्थाई टेंटों और संरचनाओं को भी हटाया जा रहा है।

विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने 20 अक्टूबर को बताया था कि दोनों देशों के बीच गश्त की व्यवस्था पर सहमति बन गई है, जिससे दोनों देशों के सैनिकों के पीछे हटने तथा अप्रैल 2020 की स्थिति के बहाल होने का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

इसके बाद 22 अक्टूबर से सैनिकों के पीछे हटने की प्रक्रिया शुरू हो गई थी। दोनों सेनाओं ने नियंत्रण रेखा से लगते क्षेत्रों में करीब 50-50 हजार सैनिक तैनात किये हुए थे। सैनिकों के पीछे हटने के बाद अब इन क्षेत्रों में सैनिकों की संख्या भी कम होने की उम्मीद है।

इसी क्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच रूस के कजान में ब्रिक्स सम्मेलन से इतर द्विपक्षीय बैठक हुई थी। दोनों नेताओं ने वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सामान्य स्थिति की बहाली और गतिरोध दूर करने के लिए बनी सहमति का स्वागत किया । उन्होंने माना कि दोनों देशों के बीच सामान्य संबंधों के लिए सीमा पर शांति, स्थिरता और परस्पर विश्वास का माहौल जरूरी है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी कहा है कि इस सहमति से सैनिकों के गश्त और पशुओं के चराने की परंपरागत व्यवस्था बहाल होगी। उन्होंने कहा था कि निरंतर बातचीत से मतभेद दूर करने में मदद मिलती हैं।

सैनिकों के पीछे हटने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद दोनों देशों की सेनाओं के कमांडर इसका सत्यापन करेंगे, जिसके बाद क्षेत्र का हवाई सर्वेक्षण भी किया जाएगा।

मई 2020 में चीन द्वारा सीमा पर यथास्थिति में एकतरफा बदलाव की कोशिश की गई थी। भारतीय सेना ने इसका कड़ा विरोध करते हुए इस कोशिश को विफल कर दिया था जिससे क्षेत्र में सैन्य गतिरोध उत्पन्न हो गया था।

वी.आर.एस. के बाद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वी.आर.एस. के लिए आवेदन कर उसे 1 मई, 2023 से रिटायर करने की गुहार की। इस पर वित्त विभाग ने उसके आवेदन को मंजूर कर, उसे एक मई, 2023 से रिटायर कर दिया, लेकिन इसकी सूचना याचिकाकर्ता को नहीं दी, जिसके चलते वह लगातार राजकीय कार्य संपादित करता रहा। इस दौरान उसने टोंक कलेक्टर व नगर परिषद आयुक्त के आदेशों की पालना में लोकसभा और विधानसभा चुनाव में भी राजकीय कार्य किए। वहीं बाद में उसके साठ साल की उम्र पूरी करने पर, विभाग ने उसे 30 जून, 2024 को रिटायर भी कर दया। याचिका में कहा गया कि रिटायर होने के बाद 2 जुलाई को नगर परिषद आयुक्त ने आदेश जारी कर उसे एक मई, 2023 से 31 मई, 2024 तक किए गए भुगतान 18.91 लाख रुपए की वसूली निकाल दी।

याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता की ओर से वी.आर.एस. का आवेदन स्वीकार करने के बाद उसकी सूचना देना विभाग की जिम्मेदारी थी, लेकिन विभाग ने याचिकाकर्ता को इसकी सूचना नहीं दी। इस अवधि में याचिकाकर्ता ने राजकीय कार्य संपादित किया था और उसके बदले उसे वेतन भुगतान किया गया था। ऐसे में उससे वसूली करना गलत है। याचिका पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने रिकवरी पर रोक लगाते हुए, संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

अनियंत्रित मिनी बस पुलिया से टकराई...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

डी.एस.पी. आई.पी.एस. शाहीन सी और ए.डी.एम. रतन कुमार मौके पर पहुंचे और पूरी घटना की जानकारी ली।

इधर हादसे की सूचना पर सांसद अमराराम, भाजपा नेता हरिराम रणवां, पूर्व सांसद सुमेधानंद सरस्वती, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा भी एस.के. हॉस्पिटल पहुंचे और मरीजों के उचित इलाज की व्यवस्था करवाई। उन्होंने इस वीभत्स हादसे पर चिंता और मृतकों के प्रति गहरी संवेदना जताई। उल्लेखनीय है कि हादसे में 7 लोगों की लक्ष्मणगढ़ में और 5 जनों की सीकर के एस.के. हॉस्पिटल में मौत हो गई, सीकर पहुंचे करीब 37 मरीजों में से 7 की हालत गंभीर होने पर उन्हे जयपुर रैफर कर दिया गया। हादसे पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष और लक्ष्मणगढ़ विधायक गोविन्द सिंह डोटासरा ने गहरा दुख जताया।

हादसे में मरने वाले 12 लोगों में लक्ष्मणगढ़ निवासी आनंद कंवर (40) पत्नी केशव सिंह, सीकर निवासी बाबूलाल (30) पुत्र आसाराम , बासनी निवासी (सीकर) गिरधर कंवर पत्नी किशन सिंह और लक्ष्मणगढ़ निवासी सोनी देवी पत्नी मिठू राम, लक्ष्मणगढ़ निवासी सरोज पत्नी सुभाष, लक्ष्मणगढ़ के सेठों की ढ ाणी (राजास) निवासी विनीता (32), लक्ष्मणगढ़ के वार्ड 33 निवासी सीमा वाल्मीकि (22), भूमां बासनी निवासी किरण कंवर, नेछवा के नरसास निवासी कमला (35), जाजोद निवासी बनारसी मेघवाल (55), फतेहपुर के कारंगा बड़ा निवासी नीरज उर्फ आदित्य मेघवाल (16), खाजूवाला (बीकानेर) निवासी प्रमोद सिंह (35) शामिल हैं। 30 घायलों का सीकर में इलाज चल रहा है। एस.के. अस्पताल सीकर के सुपरिटेंडेंट महेन्द्र खींचड़ ने बताया- 37 घायलों को सीकर में लाया गया था, इसमें से 7 को जयपुर रेफर कर दिया गया है।

नवीनतम मीडिया खबरों...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तथा शहरी मतदान रूझान हाल के पैटर्न को प्रतिबिंबित कर सकते हैं, जिनमें ग्रामीण क्षेत्रों में रूढ़ीवाद की तरफ झुकाव है तथा ट्रम्प के पक्ष में है, जबकि, शहरी आबादी, जिसमें युवा तथा अधिक डायवर्स जनसंख्या है, हैरिस का समर्थन करती है। ट्रम्प के जनाधार में बड़े पैमाने पर ग्रामीण क्षेत्रों के बड़ी उम्र के श्वेत मतदाता, इवैनजैलिकल क्रिश्चियन्स तथा ऐसे लोग हैं जिनके पास कॉलेज की डिग्री नहीं है।

दूसरी ओर हैरिस को शहरी तथा उपनगरीय क्षेत्रों में समर्थन प्राप्त है, विशेष रूप से युवा मतदाताओं, अल्पसंख्यकों, महिलाओं और उच्च शैक्षिक पृष्ठभूमि वाले लोगों के बीच।

जबकि, अंतिम सप्ताह में बड़े बदलाव की संभावना नहीं है, लेकिन, अंतिम समय में होने वाले घटनाक्रम या अप्रत्याशित घटनाएं उन मतदाताओं को प्रभावित कर सकती हैं जो अभी तक कोई निर्णय नहीं ले पाए हैं। ग्रामीण और रूढ़ीवादी मतदाता, जो लगातार रिपब्लिकन्स की ओर झुकाव रखते हैं, में नाटकीय रूप से बदलाव की संभावना कम है। शहरी और उपनगरीय मतदाता, विशेष रूप से युवा और अल्पसंख्यक, अक्सर डैमोक्रैट्स की ओर झुकाव रखते हैं, लेकिन चुनाव प्रचार के प्रयासों के द्वारा उन्हें और अधिक संगठित किया जा सकता है। उपनगरीय क्षेत्र, जो आमतौर पर राजनीतिक झुकाव में अधिक डायवर्स (विविध) होते हैं, में अंत समय में बदलाव की संभावना है, क्योंकि, ये एरिया प्रमुख युद्धक्षेत्र हैं।

आर.एस.एस...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चुकी है कि प्रधानमंत्री मोदी लोकप्रियता खोते जा रहे है तथा हो सकता है कि वे आर.एस.एस. के एजेंडा को जारी रखने के लिए इस पद पर ही नहीं रहें।

उपभोक्ता आयोग ने लगाया कैनरा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उसकी पत्नी हेतल चावडा खाता बंद कराने बैंक आई, उस समय परिवादी को भी बुलाकर इसकी जानकारी दी जा सकती थी। इसके बावजूद बैंक ने संयुक्त खाताधारक परिवादी को सूचना दिए बिना ही लॉकर को बंद कर दिया। जिसके कारण परिवादी का सारा कीमती सामान लॉकर से चला गया और उसे मानसिक परेशानी भी झेलनी पडी।

परिवाद में कहा गया कि परिवादी ने 10 अक्टूबर, 2013 को सिंडिकेट बैंक में पत्नी हेतल चावडा के साथ संयुक्त रूप से लॉकर लेने के लिए खाता खुलाया और 11 हजार रुपए की एफ.डी. भी कराई। इसके बाद उन्हें लॉकर आवंटित कर दिया गया। वहीं वर्ष 2022 में बैंक ने परिवादी को सूचित किया कि नया लॉकर एग्रीमेंट नहीं करने पर उसे बंद कर दिया जाएगा।

इस पर उसकी पत्नी बैंक में जाकर साइन कर आई। जब उसने पत्नी से लॉकर की चाबी मांगी तो उसे चाबी नहीं दी और दोनों के बीच विवाद हो गया। ऐसे में परिवादी ने बैंक जाकर लॉकर की डुप्लीकेट चाबी बनाने को कहा तो बैंक ने दोनों के साइन के बिना डुप्लीकेट चाबी बनाने से मना कर दिए। फिर, 28 मार्च, 2023 को उसे ईमेल से जानकारी मिली की लॉकर को बंद कर दिया गया है। इसे चुनौती देते हुए कहा गया कि संयुक्त रूप से आवंटित लॉकर को एक खातेदार के साइन से बंद नहीं किया जा सकता। लॉकर में उसके करीब 40 लाख रुपए के जेवरात आदि थे। ऐसे में उसे हर्जाना दिलाया जाए।

जवाब में बैंक की ओर से कहा गया कि लॉकर हेतल चावडा के नाम पर था और परिवादी केवल अधिकृत व्यक्ति था। लॉकर को हेतल ने हमेशा एकल रूप में ही संचालित किया था। इसके अलावा बैंक के निर्देश पर हेतल ने अपने नाम पर संशोधित लॉकर समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। जिससे स्पष्ट है कि वह एकल लॉकर धारक थी। हेतल ने ही बैंक को पत्र लिखकर अधिकृत व्यक्ति के रूप में दर्ज परिवादी का नाम हटाने को कहा था। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद आयोग ने बैंक पर हर्जाना लगाया है।

महाराष्ट्र में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के खिलाफ विद्रोह के दौरान शिंदे के समूह में शामिल हो गए थे। पार्टी ने सप्ताहांत में अपने उम्मीदवारों की घोषणा की और पालघर का प्रतिनिधित्व करने के लिए पूर्व सांसद राजेंद्र गावित को चुना और वांगा को टिकट से वंचित कर दिया। पार्टी के इस फैसले के बारे में जानने के बाद वांगा ने एक टीवी साक्षात्कार में शिंदे के साथ अपने गठबंधन पर खेद व्यक्त किया था और इसे एक 'बड़ी गलती' बताया था। इस दौरान उन्होंने ठाकरे को 'देव मानुस' (भगवान जैसा आदमी) बताया था।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908